ये अव्यक्त इशारे

अब अपनी पुरानी नेचर व संस्कारों का परिवर्तन करो

8-11-2022

जो अपने संस्कार बापदादा के समान नहीं हैं, उन्हें बिल्कुल टच नहीं करो। देह और देह के सम्बन्ध यह सीढ़ी तो चढ़ चुके अब बुद्धि में भी पुराने संस्कार इमर्ज न हों क्योंकि जैसे संस्कार होंगे वैसा स्वरूप होगा। तो जैसे बापदादा के गुण हैं, वैसे हूबहू वही गुण, वही कर्तव्य, वही बोल, वही संकल्प होने चाहिए फिर सभी के मुख से निकलेगा कि यह तो वही लगते हैं।

Now transform the old nature and old sanskars.

Never touch any of your sanskars which are not like those of BapDada. You have climbed the ladder of going beyond the body and bodily relations. However, now, the old sanskars should not emerge even in your intellect because, whatever your sanskars are, your form will be according to those. Therefore, as are BapDada's virtues, so too should be your virtues, deeds, words and thoughts. Then, the sound that will emerge from everyone's lips will be: You appear to be like that One.